प्रिय सीईसीआरआई-साथियो Dear Cecrians:

निदेशक की ओर से यह एक नियमित संदेश है, जिसका उद्देश्य पिछले तीन महीने की हमारी गतिविधियों को संक्षेप में प्रस्तुत करना है। मैं, आपको यह विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि सीएसआईआर- सीईसीआरआई प्रगति के पथ पर प्रभावी रूप से अग्रसर है और नवीन परियोजनाएं तथा प्रकाशन एवं पेटेंट इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। हमारे संस्थान के वैज्ञानिकों को प्राप्त अनेकों सम्मान एवं पुरस्कार उनकी मेहनत एवं लगन को प्रमाणित करते हैं। अन्य अंतर-सम्बद्ध उद्देश्य जैसे कि अधिक पीएचडी छात्र तथा युवा वैज्ञानिकों को स्वतन्त्रता आदि में भी प्रगति हुई है । हमें कई निजी परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं, जिससे परियोजना प्रमुखों को और अधिक स्वतन्त्रता प्राप्त होगी। मुझे विश्वास है कि हम सही योजना निर्माण तथा स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण से और अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान की अनुसंधान परिषद ने दिनांक 03 जून, 2014 को आयोजित बैठक में लक्ष्यता तथा उच्च प्रभाव वाले अनुसंधान-प्रकाशन संबंधी हमारे प्रयासों की सराहना की। इसके साथ अनुसंधान समिति ने लिथियम बैटरी आदि उत्पादों संबंधी अवधारणा, डिजाइन तथा प्रोटोटाइप मॉडल के निर्माण एवं परीक्षण हेतु लक्ष्य निर्धारण पर बल दिया। संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं, विशेषत: डॉ. मोहन, बोइंग परियोजना के लिए, डॉ. जयकुमार- सेंसर पर औद्योगिक परियोजना के लिए तथा डॉ सत्यनारायणा, जो एक नवीन औद्योगिक परियोजना हेतु कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार मैं यहाँ डॉ. पलनिस्वामि एवं उनकी टीम द्वारा हालही में आयोजित सीएसआईआर – यूजीसी संयुक्त नेट परीक्षा के संचालन तथा डॉ. जयचंद्रन तथा उनकी टीम द्वारा सौर ऊर्जा पैनल के संस्थापन के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख भी करना चाहूँगा। संस्थान की ईआरपी टीम विभिन्न माड्यूल में ऑनलाइन - लाइव जाकर संस्थान को उत्तरोत्तर डिजिटल मोड में रूपांतरित कर रही है। डॉ फणी एवं उनकी टीम का पीसीसीपी के मुख पृष्ठ की शोभा बढ़ाना, डॉ गणेश तथा डॉ नवीन चंद्रशेखर का सीएसआईआर- युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के लिए नामांकन तथा डॉ सुब्रथा कुंडु का एनएएसआई स्कोपस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के लिए नामांकन तथा एनसीसीआई तथा साएस्ट के भावी कार्यक्रम आदि अन्य उल्लेखनीय विषय हैं, जिनका हमारी लक्ष्यता को और व्यापक बनाने में अत्यधिक योगदान है।

भारत, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से एक प्रेरणादायी एवं चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। यह हमें ऐसा लाभप्रद अवसर प्रदान करता है, जिसमें हम ऐसी नवीन धारणाओं, प्रश्नों तथा नवीन सैद्धान्तिक संकल्पनाओं के साथ प्रयोग कर सकते हैं, जिनसे संभवतः ऐसी अभिनव प्रौद्योगिकी का निर्माण किया जा सके जो हमारी दैनिक जीवनशैली में अत्यंत उपयोगी हो, जैसे कि बैटरी संबंधी एवं संक्षारण – प्रतिरोधी विधि-निर्माण। यहाँ विद्युतरसायन के मानव उपयोगी रूप को आसानी से देखा जा सकता है। हमें इस अवसर का अधिकाधिक लाभ उठाना है। सरकार द्वारा हमें निधि उपलबब्ध करवाई जा रही है, जिसका हमें जर्नल्स, उपभोज्य सामग्री, उपकरणों तथा निर्माण एवं वर्क्स और सर्विसेस आदि के लिए विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करना है।

मेरी यह इच्छा है कि भविष्य में जब भी कोई वैज्ञानिक मुझे मिले तो वह किसी नए रोचक अनुसंधानात्मक परिणाम/डाटा आदि की जानकारी साझी करने के लिए मिले न कि नवीनीकरण अथवा कार्य – स्थल संबंधी विषयों के लिए। कृप्या ध्यान रखें कि इन विषयों के लिए हमारे संस्थान में एक अलग कार्य-प्रणाली है। मैं सम्बद्ध प्रशासनिक प्रधान की उपस्थिती में प्रशासनिक मामलों पर की जाने वाली चर्चा की सराहना करता हूँ ।

निम्नलिखित कुछ विषयों का क्रियान्वयन अथवा तत्सम्बंधी कार्यवाही देखने की मेरी अभिलाषा है :

1. मेरी यह इच्छा है कि हमारे बीटेक तथा पीएचडी के छात्र, परियोजना सहायक तथा सभी कर्मचारी - सीईसीआरआई पर एक 15 मिनट का चलचित्र बनाएं, जिसे सोशल नेटवर्क जैसे कि यू-ट्यूब आदि पर अपलोड किया जा सकता है। इसके लिए आप विभिन्न समूहों में भी कार्य कर सकते हैं तथा जानकारी प्राप्त करने के लिए पीपीएमजी/टीटीबीडी से भी संपर्क कर सकते हैं तथा टीटीबीडी प्रमुख श्री अलगेसन के पास उपलब्ध संदर्भ स्क्रिप्ट का भी यथोचित प्रयोग कर सकते हैं । सर्वश्रेष्ठ वीडियो को संस्थान द्वारा पृष्ठांकित किया जाएगा तथा उसे संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। मेरी यह भी इच्छा है कि हमारे बी टेक के छात्र हमारी प्रमुख परियोजनाओं जैसे कि ***अपशिष्ट से उर्जा*** **तथा**

अपशिष्ट को जलाकर उर्जा निर्माण आदि में भाग लें। तत्संबंधी अधिक जानकारी के लिए कृप्या डॉ शीला बर्कमन्स से संपर्क करें।

2. जैसा कि संस्थान के पिछले स्थापना दिवस पर मैंने अपने भाषण में भी कहा था – “आइये आस-पास के विद्यालयों के छात्रों को दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान के महत्व को समझाएँ ।” हमारे अनुसंधान अध्येताओं से मेरा यह अनुरोध है कि इस विषय पर कार्य करें तथा अपनी योजनाओं के साथ आगे आएं। मैं यह आश्वासन देता हूँ कि इनमें से सर्वश्रेष्ठ समूह को प्रेरणार्थ पुरस्कार स्वरूप एक अनुसंधान निधि उपलब्ध कराई जाएगी यह मेरा आपसे वादा है।
3. कृप्या महज औपचारिक अथवा खानापूर्ति के उद्देश्य से बैठकों का आयोजन न करें। सदस्यों को अग्रिम रूप से बैठक की सूचना दें तथा कार्यसूची की प्रति उनमें परिचालित करें। अल्पकालिक – सूचना पर बैठकों का आयोजन केवल अहम एवं अपरिहार्य स्थिति में ही किया जाए।
4. कृप्या सभी प्रकार के सम्प्रेषण (फैक्स, ईमेल आदि) की/का पावती/उत्तर दें। आपकी अनुपस्थिति के दौरान किसी अन्य कर्मचारी को कार्यालयीन पत्राचार देखने की जिम्मेवारी सौंपें। पत्राचार संबंधी किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। कर्मचारी तथा अनुभाग/प्रभाग प्रमुख को इस लापरवाही के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है तथा उनके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जा सकती है ।

इस संदेश के समापन से पूर्व मैं एक और बात बताना चाहूँगा। कृप्या बेनामी पत्र न भेजें। यह कायरतापूर्ण कार्य है। मैं आपको यह आश्वासन देता हूँ कि सच्ची एवं सही शिकायत पर 24 घंटे के अंदर कार्रवाई कि जाएगी। आप शिकायत निवारण के लिए मुझसे मेरे कार्यालय में मिल सकते हैं। अधिकांशत: बेनामी पत्र पारस्परिक द्वेष से प्रेरित होते हैं तथा ऐसी शिकायतों की सत्यता का पता लगाना भी कठिन होता है और यदि कभी कोई सत्यता हो भी तो बेनाम अथवा

हस्ताक्षर रहित होने के कारण वह संदेह ग्रसित होती है तथा गोपनीय जांच की कार्यप्रणाली पर दुष्प्रभाव डालती है। हालांकि हमने पूर्व में इस प्रकार के बेनामी पत्रों/ शिकायतों को खोला है तथा कार्रवाई भी कि है परंतु भविष्य में हम इस प्रकार के बेनामी पत्रों/ शिकायतों के प्रति “बिना खोले - नष्ट करें” की पद्धति जारी रखी जाएगी। मुझे, हालही में हुई भर्ती के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई एक बेनामी शिकायत का उत्तर देने की कृत्रिम चुनौती का सामना करना पड़ा है। उल्लिखित पते पर भेजा गया हमारा पत्र ...इस टिप्पणी के साथ “ऐसा कोई प्रेषिती नहीं है ” वापिस लौटा दिया गया। यह समझना काफी कठिन है कि जब हमने खुले संवाद के कई माध्यम उपलब्ध करवाए हुये हैं फिरभी पुराने वैयक्तिक झगड़ों के लिए द्वेष पूर्ण शिकायतें क्यों की जाती हैं । मैं यह विश्वास दिलाता हूँ कि सही साक्ष्य के साथ मेरे पास आने वाले प्रार्थी के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

" भविष्य किसी कोने में छुपा हुआ नहीं है।

अपितु भविष्य वह है जिसका निर्माण हम वर्तमान में करते हैं।।”

- पाउलो फ्रेरे